सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY •YEAR-1 • 19 JUNE TO 25 JUNE 2020 • VOLUME-41 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
No Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

न्यूज

मप्र में राज्यसभा चुनाव मतदान आज

भोपाल (एजेंसी)। राज्यसभा की तीन सीटों के लिए शुक्रवार को विधानसभा परिसर में बनाए मतदान केंद्र में होगा। कांग्रेस ने जहां दिग्विजय सिंह और फूलसिंह बरैया को प्रत्याशी घोषित किया है, वहीं भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुमेर सिंह सोलंकी को मैदान में उतारा है। विधानसभा में कुल सीट 230 हैं, लेकिन 24 सीट रिक्त होने के कारण शेष सदस्यों की संख्या 206 है। इनमें से भाजपा के 107, कांग्रेस के 92, बसपा के तीन, सपा के एक और तीन निर्दलीय सदस्य हैं। सदस्य संख्या के हिसाब से एक-एक सीट पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी की विजय सुनिश्चित है।

शहीद के परिवार को 1 करोड़ सम्मान निधि

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में अमर हुए प्रदेश के रीवा के अमर शहीद दीपक सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनके परिवार को एक करोड रुपए की सम्मान निधि, पक्का मकान या प्लॉट तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान ने कहा है कि अमर शहीद दीपक ने देश के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। हम उनके इस बलिदान को सलाम करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति तथा उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

शिवराज सिंह ने श्रद्धांजलि देते हुए की घोषणा

इंदौर में 55 नए केस, चार लोगों की मौत

इंदौर, (आरएनएन)। गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक 2,439 टेस्ट में 55 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इस प्रकार कुल संक्रमित की संख्या 4,246 हो गई है, वही चार संक्रमितों की मौत भी दर्ज हुई है। यहां संक्रमण से अब तक 189 लोगों की मौत हो चुकी है, वही अस्पतालों से 18 मरीज डिस्चार्ज हुए। अब तक 3149 मरीज विभिन्न अस्पतालों से स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं।

शोपियां में मुठभेड़, एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में गुरुवार को घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। इसके साथ ही शोपियां में पिछले 10 दिन में विभिन्न अभियानों में मारे गए आतंकियों की संख्या 18 हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने गुरुवार को अपराहंन शोपियां के मुनंद में संयुक्त अभियान चलाया।

गंगा में विसर्जित हुई सुशांत की अस्थियां

पटना, (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की अस्थियां गुरुवार को पटना में विसर्जित की गईं। गुरुवार की दोपहर पटना के गंगा घाट पर सुशांत सिंह राजपूत की अस्थियां लेकर उनके परिवार के लोग और पंडित पहुंचे, जिसके बाद परिवार ने एक नाव पर जाकर बीच गंगा में उनकी अस्थियों को प्रवाहित किया। वहीं दूसरी पुलिस ने खुदकुशी मामले में सुशांत सिंह की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवती से नौ घंटे तक पूछताछ की। खुदकुशी से पहले आखिरी बार रिया से बात हुई थी। वहीं पुलिस ने यशराज फिल्म्स से करार की कॉपी मांगी है।

चीनी धोखे का तगड़ा जवाब देने की तैयारी में भारत

अब एलएसी पर बदल सकती है भारतीय सेना की रणनीति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गलवान घाटी में खूनी संघर्ष के बाद भारतीय सेना अपनी रणनीति में कई किस्म के बदलाव कर सकती है। सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि लेह में तोपों की तैनाती की गई है, तीनों सेनाएं अलर्ट पर हैं। सेना को कुछ मिनटों में हमले के लिए तैयार रखा गया है। इस बार सेना को चीन से तगड़ा बदला लेने के लिए खुली छूट दी गई है। सीमा पर बसे गांवों को खाली करा लिया गया है। सीमा पर सेना का मूवमेंट बढ़ गया है।

लेह में तोपे तैनात की गई, अलर्ट पर हैं तीनों सेनाएं

सबसे अहम बदलाव यह हो सकता है कि एलएसी पर बिना हथियार के पेट्रोलिंग शायद अब नहीं की जाए। सोमवार की रात हुए खूनी संघर्ष में बड़ी संख्या में भारतीय जवानों के मारे जाने और हताहत होने के दो प्रमुख कारणों में एक उनका हथियारबंद नहीं होना तथा दूसरे वहां की विषम भौगोलिक परिस्थितियों का होना है।

सेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 1996 के एक समझौते के तहत एलएसी के दो किमी के दायरे में बंदूक आदि के इस्तेमाल पर रोक है। इसलिए सेना की टुकड़ियां पेट्रोलिंग के दौरान हथियार नहीं ले जाती हैं। हालांकि समझौते में यह स्पष्ट नहीं है कि हथियार लेकर भी नहीं जाना है। लेफ्टनेंट जनरल (रिटायर्ड) राजेन्द्र सिंह के अनुसार चूंकि इस्तेमाल नहीं किया जाना है। इसलिए सैनिकों को ले जाने की मनाही है ताकि वे झड़प होने पर जोश में इस्तेमाल न कर बैठें। लेकिन जिस प्रकार चीनी सैनिकों ने राड और कटीले तारों से हमला किया है, वह समझौते का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे में यह समझौता भी अब बेमानी है।

चीनी सीमा की रक्षा कर रहे सभी भारतीय जवानों के पास होते हैं हथियार : विदेश मंत्री का राहुल को जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि चीन की सीमा की रक्षा कर रहे सभी भारतीय जवानों के पास हथियार होते हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने को लेकर सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि हमारे सैनिकों को शहीद होने के लिए निहत्थे क्यों भेजा गया। राहुल गांधी के इस सवाल के बाद विदेश मंत्री ने कहा कि 1996 और 2005 में हुए दो द्विपक्षीय समझौतों के प्रावधानों के अनुसार दोनों देशों की सेनाएं आग्नेयास्त्रों का उपयोग नहीं करती हैं।

गलवान घाटी पर चीन के दावे को भारत ने खारिज किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने पूर्वी लद्दाख में गलवां घाटी पर चीन के संप्रभुता के दावे को सिरे से खारिज किया और कहा है कि ऐसे बढ़ा चढ़ा कर किए गए निराधार दावे दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बनी सहमति के खिलाफ हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने चीन द्वारा गलवां घाटी पर अपनी संप्रभुता का दावा किए जाने पर बुधवार देर रात प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बुधवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर लद्दाख की स्थिति के बारे में चर्चा हुई है, जिसमें दोनों पक्षों में सहमति बनी है कि समूची स्थिति को बहुत जिम्मेदारी से संभाला जाना चाहिए। छह जून को वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की बैठक में बनी समझ को पूरी ईमानदारी से क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार रात प्रतिक्रिया दी

चीन के साथ झड़प में भारतीय जवानों के लापता होने की रिपोर्ट गलत

भारतीय सेना ने उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया है जिसमें यह दावा किया गया कि 15 जून को पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सेना का साथ हिंसक झड़प के दौरान कई भारतीय सैनिक लापता हो गए। इस हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हुए जबकि चीन को भारी नुकसान हुआ है। सेना ने बयान कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि हिंसक झड़प के दौरान कोई भी भारतीय सैनिक लापता नहीं है। बुधवार को न्यूयॉर्क टाइम्स में अपने लेख में भारतीय सैनिकों के लापता होने की बात का जिक्र था। वहीं भारतीय मीडिया के कुछ हिस्से में भी इस यह खबर थी कि कुछ भारतीय जवान लापता हैं।

तीसरे दिन भारत-चीन सेना के मेजर जनरल-स्तर की वार्ता सकारात्मक

गलवान घाटी में भारत और चीन की सेना के बीच सोमवार की शाम को हुई हिंसक झड़प के बाद सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भारतीय और चीनी सेनाओं ने मेजर जनरल-स्तर की वार्ता की। सूत्रों के अनुसार बैठक छह घंटे तक चली। बैठक सकारात्मक रही। लद्दाख के मेजर जनरल रैंक के ऑफिसर के नेतृत्व में भारत और चीन के प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता हुई। हाल में सीमा विवाद शुरू होने के बाद यह सातवीं बैठक थी और गलवान में हिंसक झड़प के बाद यह तीसरी बैठक थी। कारू के तीसरे इन्फ्रेंट्री डिवीजन के हेडक्वार्टर के मेजर जनरल अभिजीत बापट और उनके चीनी समकक्षीय ने पेट्रोल प्वाइंट 14 के पास यह बैठक की गई।

एयरफोर्स ने सरकार को भेजा रूस से 33 नए एयरक्राफ्ट खरीदने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी तनाव के बीच भारतीय वायुसेना ने 33 नए एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए सरकार को एक प्रस्ताव दिया है। इनमें रूस के 21 मिग-29 और 12 एसयू-30 एमकेआई एयरक्राफ्ट शामिल हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि वायुसेना इसके लिए बीते कुछ दिनों से काम कर रही थी, लेकिन अब इसे गति दी गई है। एयरक्राफ्ट खरीदने में 6000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। अगले सप्ताह इसके प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को दिए जाएंगे सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव में 12 एसयू-30 एमकेआई का अधिग्रहण शामिल है, जो विभिन्न दुर्घटनाओं में वायु सेना द्वारा गंवाए विमानों की जगह लेगा। भारत ने अलग-अलग बैचों में 10 से 15 साल की अवधि में 272 एसयू-30 फाइटर जेट्स के ऑर्डर दिए थे।

घायल सैनिक ने बताया - धोखे से हमला किया था चीनी सैनिकों ने

जयपुर, (एजेंसी)। भारत चीन सीमा पर लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने अचानक धोखे से हमला करके भारतीय सैनिकों को नुकसान पहुंचाया। इस संघर्ष में घायल हुए सैनिक राजस्थान में अलवर जिले के नौगांवा गांव के सुरेंद्र सिंह ने फोन पर अपने परिजनों को संघर्ष का ब्यौरा देते हुए बताया कि चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी से निकल रही नदी किनारे अचानक धोखे से हमला किया। यह संघर्ष करीब पांच घंटे चला। संघर्ष में भारत के करीब ढाई सौ और चीन के एक हजार से अधिक जवान थे। उन्होंने बताया कि गलवान घाटी की नदी में करीब फुट गहरे बेहद ठंडे पानी में यह संघर्ष चलता रहा। जहां यह संघर्ष हुआ उस नदी के किनारे मात्र एक आदमी को ही निकलने की जगह थी इसलिए भारतीय सैनिकों को संभलने में भारी परेशानी हुई। श्री सुरेंद्र ने बताया कि अब वह स्वस्थ है और लद्दाख के सैनिक हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। उनके एक हाथ में फैक्चर है और सिर में करीब एक दर्जन टांके लगे हैं। उन्होंने पांच घंटे पांच फुट गहरे पानी में हुए संघर्ष में सिर में चोट लगने से वह घायल हो गए थे और अन्य सैनिकों ने उन्हें बाहर निकाला।

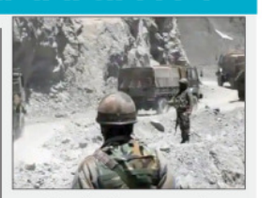

संघर्ष में भारत के करीब ढाई सौ और चीन के एक हजार से अधिक जवान थे

भारत, मैक्सिको, नार्वे और ऑयरलैंड होंगे अस्थायी सदस्य

पीएम ने वोटिंग के लिए जताया अभार

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)। भारत, मैक्सिको, नार्वे और ऑयरलैंड को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया है। इन सभी देशों को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए चुना गया है जोकि एक जनवरी 2021 से शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदान में भाग लेने देशों को भारत के पक्ष में मतदान करने के लिए आभार जताया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष तीजानी मुहम्मद-बांडे ने बुधवार को यह जानकारी दी।

श्री मुहम्मद-बांडे ने कहा कि महासभा में उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों देशों की ओर से बहुमत मिलने के बाद भारत, मैक्सिको, नार्वे और ऑयरलैंड को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया है जोकि एक जनवरी 2021 से शुरू होगा।

संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश गुरुवार को एकत्र होंगे और अफ्रीकी समूह के देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट के लिए दूसरे दौर का मतदान होगा। केन्या और जिबाती दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने में असफल रहे।

इस बार यूएनजीए की वर्चुअल मीटिंग होगी

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रकोप को देखते हुए राष्ट्र (संरा) के अध्यक्ष तिजानी मुहम्मद-बांदे ने इस वर्ष के यूएनजीए के लिए वीडियो संदेश के माध्यम से वर्चुअल बैठक का प्रस्ताव दिया है। श्री बांदे ने कहा कि सदस्य देशों और सरकार के प्रमुखों के साथ-साथ मंत्रियों को उच्च स्तरीय बैठक के लिए न्यूयॉर्क में उपस्थित नहीं होना चाहिए।

टैक्स चोरी : स्पेशल कोर्ट ने वाधवानी को पांच दिन की रिमांड पर भेजा

इंदौर, (आरएनएन)। टैक्स चोरी मामले में डीजीजीआई ने उद्योगपति किशोर वाधवानी को गुरुवार को दोपहर इंदौर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने वाधवानी को पांच दिन के रिमांड 22 जून तक सौंप दिया। इससे पहले मेडिकल जांच के लिए उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल से लेकर कोर्ट परिसर तक बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। डीआरआई के विशेष लोक अभियोजक चंदन ऐरन ने बताया कि गुरुवार को दोपहर में स्पेशल जज अनुप्रिया पाराशर की कोर्ट में पेश किया गया। उनकी ओर से कोर्ट में तर्क दिए गए कि कुछ दस्तावेज इनसे लिए जाने हैं एवं जीएसटी के संबंध में पूछताछ करनी है। जांच एजेंसी ने कहा कि हमें शंका है कि इस मामले में विदेशी लोग भी शामिल हो सकते हैं।

■ **जांच एजेंसी ने विदेशी लोग शामिल होने का भी दिया हवाला**

विदेशी लोग भी हो सकते हैं शामिल

उन्होंने कोर्ट में दलील रखी कि हमें शंका है कि इस मामले में कुछ विदेशी लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। पूर्व में टैक्स चोरी मामले में इनसे जुड़े चार लोगों को पकड़ा जा चुका है। इस षडयंत्र में ये सभी शामिल हैं। ऐरन ने बताया कि कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद 22 जून तक रिमांड पर सौंपा है।

ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा था

उद्योगपति किशोर वाधवानी को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) और डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यु इंटेलीजेंस (डीआरआई) की टीम ने 225 करोड़ की टैक्स चोरी के मामले में मंगलवार को मुंबई से गिरफ्तार किया था। बुधवार को मुंबई कोर्ट में सुनवाई के दौरान वाधवानी के वकील ने तर्क दिया खराब स्वास्थ्य के चलते उन्हें जमानत दी जाना चाहिए।

अविनाश लवानिया होंगे भोपाल के नए कलेक्टर

भोपाल, (एजेंसी)। राज्य शासन गुरुवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है। अविनाश लवानिया, संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा राज्य भंडार गृह निगम भोपाल (अतिरिक्त प्रभार) को कलेक्टर जिला भोपाल पदस्थ किया गया है।

तरुण पिथौड़े कलेक्टर भोपाल को संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण पदस्थ करते हुए राज्य भंडार गृह निगम भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं राज्य शासन ने एक अन्य आदेश जारी कर जेएन कंसोटिया अपर मुख्य सचिव, पशुपालन विभाग को मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कर्नल संतोष बाबू की अंतिम यात्रा में लोगों ने छत से बरसाए फूल, दी नम आंखों से अंतिम विदाई

सूर्यापेट (तेलंगाना)। लद्दाख में चीन की सेना के साथ हुई हिंसक झड़प में शहीद हुए कर्नल संतोष बाबू का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। नम आंखों से परिवार और आस-पड़ोस के लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। कर्नल की अंतिम यात्रा के दौरान लोगों ने अपने घरों की बॉलकनी में खड़े होकर वंदे मातरम और संतोष बाबू अमर रहें के नारे भी लगाए और फूलों की बारिश भी की। इस दौरान शहर की अधिकतर दुकानें बंद रहीं। उनके पार्थिव शरीर को बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी से एक विशेष विमान में हैदराबाद के निकट स्थित हकीमपेट वायु सेना अड्डे लाया गया और देर रात उनके घर पहुंचाया गया था।

चीन से वार्ता का नेतृत्व कर रहे थें कर्नल

गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हिंसक झड़प में शहीद हुए कर्नल बी. संतोष बाबू सोमवार को चीनी पक्ष से हुई वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन सोमवार को देर रात हुई हिंसा में वह शहीद हो गए। मूलतः तेलंगाना के सूर्यपत जिले के निवासी कर्नल संतोष बाबू 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग अफसर भी थे। इससे पूर्व भी वह तनाव कम करने को लेकर हुई कई बैठकों का नेतृत्व कर चुके थे। सूत्रों ने कहा कि सोमवार की रात जब चीनी सेना तय कार्यक्रम के अनुसार पीछे नहीं हटी तो कर्नल बाबू स्वयं उनसे बात करने गए थे। इसी दौरान चीनी पक्ष की तरफ से उनके साथ हाथापाई की गई, जिसके बाद भारतीय सैनिकों ने भी जवाब दिया।

STAY HOME STAY SAFE

दखल

चीन ने बर्बाद कर दी कोशिशें

गलवान घाटी में चीन के छल से दोनों देशों के बीच 27 साल में सीमा शांति को लेकर हुई कोशिशों को तगड़ा झटका लगा है। 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव से लेकर मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी तक कई द्विपक्षीय समझौते और वार्ताएं हुई हैं। पीएम मोदी तो छह साल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से 18 मुलाकातें कर चुके हैं। वह पांच बार चीन भी गए। लेकिन जवानों की शहादत ने द्विपक्षीय समझौतों-मुलाकातों को बेपटरी कर दिया।

गलवान घाटी में चीन के छल से दोनों देशों के बीच 27 साल में सीमा शांति को लेकर हुई कोशिशों को तगड़ा झटका लगा है। 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव से लेकर मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी तक कई द्विपक्षीय समझौते और वार्ताएं हुई हैं। पीएम मोदी तो छह साल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से 18 मुलाकातें कर चुके हैं। वह पांच बार चीन भी गए। लेकिन जवानों की शहादत ने द्विपक्षीय समझौतों-मुलाकातों को बेपटरी कर दिया। साल 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की चीन यात्रा के दौरान भारत-चीन संबंधों के पुनर्निर्माण को लेकर सीमा शांति पर समझौते करने की बात हुई। 1993 में सीमा शांति के लिए पहला समझौता पीएम पीवी नरसिंह राव की चीन यात्रा के दौरान हुआ। तब राव ने चीनी पीएम ली पेंग के साथ 'सीमाई इलाकों में एलएसी पर शांति व स्थिरता बनाने' के समझौते पर दस्तखत किए। वर्ष 1996 में चीनी राष्ट्रपति जिआंग जेमिन ने भारत दौरे पर तत्कालीन पीएम एचडी देवेगौड़ा के साथ 'एलएसी पर सैन्य क्षेत्र में भरोसा बनाने' के समझौते पर दस्तखत किए। 2003 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के चीन दौरे पर सीमा विवाद हल करने के लिए एक विशेष प्रतिनिधि स्तर की व्यवस्था स्थापित की गई।

2005-13 में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के 10 साल के कार्यकाल में तीन समझौते हुए। 2005 में 'एलएसी पर सैन्य क्षेत्र में विश्वास निर्माण उपायों के क्रियान्वयन के लिए प्रोटोकॉल बनाने', साल 2012 में सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्यप्रणाली की स्थापना और साल 2013 में 'सीमा सुरक्षा सहयोग समझौता' इनमें से दो समझौते चीन में तत्कालीन भारतीय राजदूत (वर्तमान विदेश मंत्री) एस जयशंकर के कार्यकाल में हुए थे। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग में छह साल में 18 मुलाकातें हुईं। 15 जुलाई 2014 को ब्राजील में पहली मुलाकात में ही सीमा विवाद सुलझाने पर सहमति बनी। अप्रैल 2018 दोनों नेता वुहान में मिले। तय हुआ कि आपसी मतभेदों को विवाद नहीं बनने देंगे और बातचीत से हल करेंगे। पिछले साल जिनपिंग भारत आए और फिर मतभेदों पर बातचीत का संकल्प दोहराया गया, लेकिन सीमा विवाद कायम है। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों की ओर से की गई हिंसा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का जो भरोसा दिया है, वह एक तरह से चीन को स्पष्ट और कड़ी चेतावनी है कि भारत अब और बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत ने साफ कह दिया है कि वह अपनी रक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने में सक्षम है।

चीनी सैनिकों के हमले के बाद भारत ने लद्दाख के क्षेत्र में जिस तरह अपनी सैन्य स्थिति मजबूत करनी शुरू कर दी है, वह इस बात का संकेत है कि चीन की हर कार्रवाई का अब उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। भारत अब 1962 वाली स्थिति में नहीं है, यह चीन को समझ लेना चाहिए। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सोमवार देर रात चीनी सैनिकों ने जिस तरह का हिंसक कृत्य किया, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि पड़ोसी देश ने अशांति के नए दरवाजे खोल दिए हैं। आने वाले दिनों में सैन्य, कूटनीतिक और राजनीतिक स्तर पर वार्ताओं से मामला शांत भले हो जाए, लेकिन भारत चीन की इस हरकत को कभी भूलेगा नहीं। पिछले डेढ़ महीने से चीन पूर्वी लद्दाख के इस सीमा क्षेत्र में तेजी से पैर पसार रहा है और अवांछित गतिविधियां जारी रखे हुए है। ऐसा करके वह भारत को उकसा रहा है और खुल कर चुनौती दे रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि सोमवार-मंगलवार रात वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों ने जिस तरह की हिंसा को अंजाम दिया, उसमें किसी भी तरह की गोलीबारी या सैन्य हथियार इस्तेमाल नहीं किए गए, बल्कि पत्थर, लाठियों, लोहे की छड़ों और कंटीले तारों से भारतीय जवानों पर हमला किया गया।

भारत के विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री से बातचीत में यह कह भी दिया है कि गलवान में जो कुछ हुआ है वह सुनियोजित था और इसके लिए सिर्फ चीन जिम्मेदार है। गलवान घाटी के जिस क्षेत्र को लेकर चीन ने पिछले डेढ़ महीने से सक्रियता दिखाई है, वह असल में भारत का ही हिस्सा है। लेकिन अब चीन इसे भी सीमा विवाद में घसीट रहा है। सीमा विवाद से ज्यादा बड़ी समस्या चीन की विस्तार वादी नीति और नित नए इलाकों को विवादित बनाते हुए उन पर कब्जे की रणनीति की है। लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बना दिए जाने से भी चीन की नींद उड़ी हुई है और उसे लग रहा है कि अगर गिलगित-बाल्तिस्तान को भारत ने कब्जे में ले लिया तो चीन-पाक आर्थिक गलियारे की परियोजना भी खटाई में पड़ सकती है। इसलिए चीन पाकिस्तान और नेपाल को साथ लेकर भारत की घेरेबंदी कर उस पर दबाव बनाने में लगा है। विंडबना यह है कि चीन जब-जब दोस्ती और भाईचारे की बातें करता है, उसी के साथ वह पीठ में छुरा भी घोंपता है। हिंदू-चीनी भाई-भाई के नारे के बाद ही 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया था। ताजा विवाद को शांत करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर तेजी से काम हो रहा है, लेकिन भारत के सामने अब बड़ी चुनौती चीन को उसी की भाषा में माकूल जवाब देने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की है, ताकि हमारे बीस जवानों का बलिदान व्यर्थ न जाए और साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह संदेश जाए कि अगर भारत की संप्रभुता पर कोई आंच आई तो उसकी रक्षा के लिए वह जवाब देने से हिचकिचाएगा नहीं।

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा निकट गलवान घाटी क्षेत्र सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। जानकारों के मुताबिक, इस इलाके में एलएसी पर कोई विवाद नहीं रहा है, लेकिन चीन अब यहां भी गतिरोध पैदा करने की साजिश कर रहा है। चीन को डर है कि इस इलाके में भारत की मजबूत पकड़ से तिब्बत तक उसके जाने वाले राजमार्ग को खतरा पहुंच सकता है। गलवान सेक्टर बेहद संवेदनशील है, क्योंकि एलएसी के नजदीक डीएस-डीबीओ रोड से जुड़ता है। लेह से दौलत बेग ओल्डी तक भारत की सामरिक सड़क दारबुक-श्योक-दौलतबेग ओल्डी (डीएसडीबीओ) गुजरती है। घाटी में भारत की सबसे अग्रिम गश्ती चौकी के तौर पर गलवान फ्लैश प्वाइंट पीपी 14 है, जिसके बेहद समीप चीनी सेना आ गई है। चीन आईटीबीपी पोस्ट से पीपी 14 तक सड़क निर्माण पर विरोध जता रहा है। इस सड़क के जरिये भारत अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करता है। चीन हमेशा सीमावर्ती क्षेत्रों सड़क, पुल, सैन्य ठिकाने बनाकर स्थिति मजबूत करने के बाद विवाद पैदा करता है। 2016 तक चीन ने गलवान घाटी के मध्य बिंदु तक पक्की सड़क बना ली। उसने छोटी-छोटी चौकियों का निर्माण किया। गलवान के पास सबसे ऊंची रिजलाइन श्योक नदी के पास से गुजरती है। श्योक और गलवान नदी का संगम एलएसी से करीब आठ किलोमीटर है। चीन यहां पकड़ मजबूत कर श्योर रूट के दर्रों पर हावी होने की कोशिश में है।

चीन ने 1962 में भारत की पूर्वी व उत्तरी सीमा पर हमला कर धोखा दिया था। चीन साल 1959 तक जितने क्षेत्र पर दावा करता था, उसकी तुलना में सितंबर 1962 (युद्ध से एक माह पहले) में वो पूर्वी लद्दाख में अधिक क्षेत्र पर दावा दिखाने लगा।

विचार

यूएस-भारत की नजदीकी से चिढ़

अमेरिका के साथ भारत के मजबूत होते रिश्ते चीन की आंखों में खटक रहा है। लद्दाख में मिलने वाला पानी व खनिज बहुत अहम है। लद्दाख ऐसा इलाका नहीं है जहां आसानी से हासिल हो जाए। लद्दाख में विवाद से चीन भारत पर दबाव बनाना चाहता है।

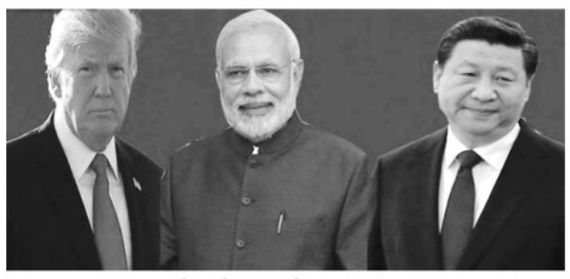

बॉर्डर पर चीन की गुस्ताखी का सेना ने मुंहतोड़ जवाब तो दिया ही। अब आर्थिक मोर्चे पर भी चीन को उसकी हरकतों की सजा देने की शुरुआत हो गई है। भारत सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनियों से किसी भी चीनी कंपनी के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल न करने को कहा है। बीएसएनएल और एमटीएनएल के टेंडर को कैंसिल कर दिया गया है। साथ ही, प्राइवेट मोबाइल फोन ऑपरेटर्स के लिए भी हुवाई और जेट जैसे चीनी ब्रैंड्स से दूर रहने का नियम बनाया जा सकता है। भारतीय टेलिकॉम इक्विपमेंट का एनुअल मार्केट 12,000 करोड़ रुपए है। इसमें से एक-चौथाई पर चीन का कब्जा है। बाकी में स्वीडन की एरिक्सन, फिनलैंड की नोकिया और साउथ कोरिया की सैमसंग शामिल है। लेकिन इतने भर से चीन मानने वाला नहीं है। उसे ऐसा आर्थिक झटका देना होगा, जो उसे हमेशा याद रहे। लद्दाख के गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच पिछले एक महीने से ज्यादा वक्त से चला आ रहा तनाव सोमवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में भारत के 20 जवान शहीद हो गए जबकि चीन के 40 जवान मारे गए। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। भारत ड्रैगन को घेरने के लिए बड़ी तैयारी कर रहा है।

यह तो तय है कि चीन पर भारत का रुख 21वीं सदी की दिशा तय करेगा। अमेरिका के साथ भारत के मजबूत होते रिश्ते चीन की आंखों में खटक रहा है। लद्दाख में मिलने वाला पानी और खनिज अहम है। लेकिन लद्दाख ऐसा इलाका नहीं है आप यहां आसानी से ये सब हासिल कर पाएं। असल बात यह है कि लद्दाख में विवाद से चीन भारत पर दबाव बनाना चाहता है। मौजूदा विश्व में यह काफी अहम होने वाला है। यही नहीं, चीन भारत के अमेरिका के साथ बढ़ते रिश्तों से भी बौखलाया हुआ है। कोविड-19 से पहले से यहां पैसे की कमी के कारण निवेश घटा है। इसके अलावा कुछ बड़े प्रोजेक्ट के कारण भी ये स्थिति बनी है। बीआरआई प्रोजेक्ट के आउटकम पर चीन और इसके देशों में उलझन रही है। हालांकि, बीआरआई अभी बना हुआ है। अमेरिका से तनातनी के बीच चीन यह दिखाना चाहता है कि वह कई जगह एकसाथ काम कर रहा है। बीआरआई में शामिल कई देश केवल निवेश ही नहीं बल्कि चीन के साथ संबंध को लेकर चिंतित हैं।

निश्चित तौर पर, यह भारत के लिए चेतावनी है कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते न बनाए। भारत आज कई वजहों से अमेरिका का रणनीतिक सहयोगी बनना चाहता है। इसलिए यहां बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है। भारत अपने लंबे भविष्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकता है। अगर भारत चीन को कड़ा और सख्त जवाब देता है तो इसका मतलब होगा कि वह अमेरिका के साथ करीबी रिश्ते जारी रखेगा। अमेरिका भी पिछले कुछ समय से यही चाह रहा है। अच्छी बात यह है कि इस तनाव से भारत को मजबूती ही मिली है।

चीन को झटका दें, मगर संभल कर

लद्दाख के गलवान इलाके में भारत और चीन की सेना के बीच खूनी संघर्ष के बाद भारत ने सधी प्रतिक्रिया दी है। लेकिन भारत बदला लेने की पूरी तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक पेइचिंग की इस हिमाकत का बदला भारत बड़ी तैयारी के साथ लेने वाला है। 1975 के बाद भारत और चीन के बीच सबसे बड़े खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों के संबंध बेहद नाजुक स्थिति में पहुंच गए हैं। चीन के धोखे का जवाब देने के लिए भारत बड़ी तैयारी कर रहा है। भारत सैन्य से ज्यादा चीन को आर्थिक मोर्चे पर घेरने की तैयारी कर रहा है। ड्रैगन को घेरने के लिए भारत ने पूरी बिसात बिछा ली है। क्षेत्रीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेइचिंग को अलग-थलग करने की तैयारी। सरकार चीन को कोई मोर्चे पर घेरने की रणनीति पर काम कर ही है। संयुक्त राष्ट्र में चीन को अलग-थलग करने के लिए नई योजना पर काम कर रहा है। अभी तक चीनी निवेश प्रस्ताव को तेजी से इजाजत दे रहा भारत अब इस रणनीति को धीमा करेगा।

सरकार चीन को भारत के मार्केट में बड़ा झटका देने की तैयारी कर चुकी है। चीनी कंपनियों को अब सरकारी या निजी क्षेत्र में जल्द कोई अनुबंध नहीं मिलने वाला है। सबसे खास बात यह है कि चीन की बड़ी मोबाइल कंपनी हुवेई को भारत के 5जी मार्केट में एंट्री की अनुमति मिलने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है। बॉर्डर पर चीन की गुस्ताखी का सेना ने मुंहतोड़ जवाब तो दिया ही। अब आर्थिक मोर्चे पर चीन को उसकी हरकतों की सजा देने की शुरुआत हो भी गई है। भारत सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनियों से किसी भी चीनी कंपनी के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल न करने को कहा है। बीएसएनएल और एमटीएनएल के टेंडर को कैंसिल कर दिया गया है। साथ ही, प्राइवेट मोबाइल फोन ऑपरेटर्स के लिए भी हुवाई और जेट जैसे चीनी ब्रैंड्स से दूर रहने का नियम बनाया जा सकता है। भारतीय टेलिकॉम इक्विपमेंट का एनुअल मार्केट 12,000 करोड़ रुपए है। इसमें से एक-चौथाई पर चीन का कब्जा है। बाकी में स्वीडन की एरिक्सन, फिनलैंड की नोकिया और साउथ कोरिया की सैमसंग शामिल है।

दिल्ली और मेरठ के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम बन रहा है। इसके डिजाइन और एक अंडरग्राउंड हिस्से के कंस्ट्रक्शन का टेंडर एक चीनी कंपनी को मिलने की रिपोर्ट्स थीं। मगर बुधवार को केंद्र सरकार ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट देने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। विपक्षी दलों ने चीनी कंपनी को ठेका देने का विरोध किया है। ऐसे में यह कॉन्ट्रैक्ट भी चीनी कंपनी के हाथ से जाने की संभावना है। सीमा पर तनाव फैलाने और भारतीय सैनिकों की हत्या करने के बाद चीन भले ही दम दिखा रहा हो, मगर वह नहीं जानता कि उसकी इस हरकत से वह कितना नुकसान झेलेगा। देश भर में चीनी माल के बहिष्कार की मांग उठ रही है। कोरोना वायरस महामारी के बाद भी देश भर में चीनी सामानों का बहिष्कार करने की मांग पहले ही जोर-शोर से उठ रही थी। मंगलवार को तो सीमा पर हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने की भी खबर है।

चीन की इस धोखेबाजी से अब लोगों का गुस्सा और अधिक बढ़ सकता है, जिससे चीनी समान के खिलाफ असली गुस्सा बाहर आ सकता है। हालांकि, यह उतना आसान नहीं है। आंकड़ों पर गौर करने के बाद यह समझ आएगा कि भारत में चीनी उत्पादों से दूरी बना पाना कितना मुश्किल है। देश में स्मार्टफोन बाजार 2 लाख करोड़ रुपए का है, जिसमें चीन की हिस्सेदारी 72 फीसदी है। चीनी स्मार्टफोन से निजात पाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि इस दबदबा हर प्राइस सेगमेंट में है और आरऐंडडी में भी यह काफी आगे है। दूरसंचार उपकरणों का बाजार 12,000 करोड़ रुपए का है, जिसमें चीन की हिस्सेदारी 25 फीसदी है। चीनी दूरसंचार उपकरणों से भी निजात पा सकते हैं, लेकिन यह हमारे लिए काफी महंगा पड़ेगा। टेलिकॉम कंपनियों के मुताबिक, अगर वे अमेरिकी तथा यूरोपीय दूरसंचार उपकरणों को खरीदने का विचार करते हैं तो उनकी लागत 10-15 फीसदी तक बढ़ जाएगी।

भारत में टेलिविजन का बाजार 25 हजार करोड़ रुपए का है। स्मार्ट टेलिविजन बाजार में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 42-45 फीसदी और गैर-स्मार्ट टेलिविजन मार्केट में 7-9 फीसदी है। इस मार्केट सेगमेंट में भी हम चीनी माल से निजात पा सकते हैं, लेकिन यह बेहद महंगा पड़ेगा, क्योंकि गैर-चीनी टेलिविजन 20-45 फीसदी महंगे हैं। देश में होम अप्लायंसेज का मार्केट साइज 50 हजार करोड़ रुपये का है, जिसमें चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 10-12 फीसदी है। इस सेगमेंट में हम आसानी से चीनी माल से निजात पा सकते हैं, लेकिन अगर कोई बड़ी चीनी कंपनी इस सस्ते उत्पादों के साथ उतरती है तो फिर बेहद मुश्किल होगी। देश में ऑटोमोबाइल कल-पुर्जों का बाजार 4.27 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 26 फीसदी है। इस सेगमेंट में भी चीनी माल से निजात पाना मुश्किल होगा, क्योंकि इसके लिए घरेलू या फिर वैश्विक विकल्प ढूंढना आसान नहीं होगा।

देश में 45 करोड़ स्मार्टफोन यूजर हैं, जिसमें 66 फीसदी लोग कम से कम एक चीनी ऐप का इस्तेमाल करते हैं। इस सेगमेंट में चीन से निजात पाना आसान है, लेकिन भारतीय यूजर्स को टिकटॉक जैसे ऐप से मोह को त्यागना होगा और इसका विकल्प ढूंढने में भारत को अभी तक नाकामी ही हाथ लगी है। देश में सौर ऊर्जा का मार्केट साइज 37,916 मेगावाट का है, जिसमें चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 90 फीसदी है। इस सेगमेंट में चीनी माल से निजात पाना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि घरेलू मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां कमजोर हैं और अन्य विकल्प महंगे हैं। देश में स्टील का मार्केट साइज 108.5 मीट्रिक टन का है, जिसमें चीनी माल की हिस्सेदारी 18-20 फीसदी है। इस सेगमेंट में हम चीनी माल से आजादी पा सकते हैं, लेकिन यह कठिन होगा। कुछ उत्पादों के लिए चीन की कीमत के बराबर के उत्पाद खोजना काफी मुश्किल होगा।

भारत में फार्मा/एपीआई का मार्केट साइज 15,000 करोड़ रुपए का है, जिसमें चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 60 फीसदी है। इस सेगमेंट में भी चीनी माल से निजात पाना बेहद कठिन होगा। अन्य स्रोत महंगे हैं और बड़ी केमिकल फैक्ट्रियों के आड़े कई तरह की मुश्किलें आएंगी। यह सही है कि आज चीन को लेकर देश में गुस्सा है और उसके बनाए उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठ रही है। लेकिन एकदम से चीन का बहिष्कार भी करना घातक हो सकता है। उसे हम इस मोर्चे पर झटका तो दे सकते हैं, मगर पस्त नहीं। लिहाजा, सरकार को इस मामले में कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेना होगा। क्योंकि अभी कोरोना वायरस के संक्रमण से अर्थव्यवस्था की हालत खराब है और देश अभी नए सिरे से फिर से खड़ा होने की कोशिश में लगा है।

यह सही है कि आज चीन को लेकर देश में गुस्सा है और उसके बनाए उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठ रही है। लेकिन एकदम से चीन का बहिष्कार भी करना घातक हो सकता है। उसे हम इस मोर्चे पर झटका तो दे सकते हैं, मगर पस्त नहीं। लिहाजा, सरकार को इस मामले में कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेना होगा। क्योंकि अभी कोरोना से अर्थव्यवस्था की हालत खराब है और देश खड़ा होने की कोशिश में लगा है।

ट्विटर

लद्दाख में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत से हर कोई भरा हुआ है। अब तो सरकार भी कह चुकी है कि चीन को जवाब दिया जाएगा, तो ऐसा होगा।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

चीन ने सीमा पर ऐसी हिमाकत की है, जो उसे बहुत भारी पड़ने वाली है। जब तनाव अपने खात्मे की ओर था, तब चीन के सैनिकों ने हदें पार की है।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सत्यार्थ

जल की तरह हैं संबंध

मनुष्य अकेला हो सकता है, पर अकेले रह नहीं सकता। जीने के लिए उसे वस्तुओं और व्यक्तियों से किसी न किसी रूप में जुड़ना पड़ता है। यह जुड़ना क्षणिक अथवा स्थाई भी हो सकता है। नए परिचय से आत्मीयता भी बढ़ती है, पर बाद में यह संबंध टिक नहीं पाता। समय की मार से संबंध मृत प्राय हो जाते हैं। करीबी रिश्ते भी भुला दिए जाते हैं। हम पौधों को जल देते हैं, हवा और धूप की सेंक देते हैं, तो पौधा भी फलता-फूलता है। वैसे ही मनुष्य को भी अपने संबंधों

का ध्यान रखना होता है। मन का आकर्षण बना रहे, इसके लिए हमें निरंतर प्रयत्न करना पड़ता है। बिना खाद-पानी के ये रिश्ते भी मजबूत नहीं होते, निरंतरता और सक्रियता उनमें जान डालती है। रिश्तों की प्रगाढ़ता के पीछे है, त्याग का भाव और एक-दूसरे को समझना। भारतीय संस्कृति की पूरी बुनियाद ही संबंध-रचना पर आधारित है। पृथ्वी, अंतरिक्ष, नदियां, पहाड़, पूरा पर्यावरण हमारे सुख-दुख में शामिल है। तुलसी के राम भी सीता के वियोग में हे खग-मृग हे मधुकर श्रेनी/ तुम देखी सीता मृगनयनी की पुकार से भर जाते हैं। नीलकंठ ने एक श्लोक में दर्शाया है कि शिव अर्धनारीश्वर की मुद्रा में खुली चट्टान पर विश्राम कर रहे हैं, वाम भाग में पार्वती और दक्षिण भाग में वे स्वयं हैं। पूरी रात शिव दाहिनी करवट ही लेटे रहते हैं, वे करवट नहीं बदलते, ताकि पार्वती को खुरदुरी चट्टानों से कष्ट नहीं पहुंचे। संबंधों की यह आत्मीयता और दृढ़ता ही उसे दीर्घजीवी बनाती है। हमें बड़ों का सम्मान और छोटों को स्नेह देने के लिए अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। संबंध नदी के जल की भांति हैं, जैसा पात्र हो, वैसा ही हमें ढलना पड़ता है, यही तरलता इसकी जीवन-शक्ति है।

न्यूज

श्रमिक कल्याण रोजगार अभियान का शुभारंभ कल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोरोना को फैलने से रोकने लगाए लॉकडाउन के दौरान गृह राज्य लौटे प्रवासी मजदूरों को सशक्त करने और उन्हें आजीविका मुहैया कराने के लिए शनिवार को एक बड़ी ग्रामीण लोक कार्य योजना का शुभारंभ करेंगे। गुरुवार को बताया कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सुशील मोदी की मौजूदगी में वीसी के जरिए शनिवार को मोदी गरीब कल्याण रोजगार अभियान का शुभारंभ करेंगे। यह अभियान बिहार के खगड़िया के बेलदौर प्रखंड के तेलिहर गांव से शुरू किया जाएगा। इस दौरान पांच अन्य राज्यों के सीएम और कुछ केंद्रीय मंत्री हिस्सा लेंगे। इन जिलों के ऐसे करीब दो तिहाई प्रवासी मजदूरों को शामिल करने का अनुमान है।

लॉकडाउन में सुप्रीम कोर्ट ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने 24 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों ने भी अपना काम करने का तरीका बदल लिया। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए वर्चुअत तौर-तरीके को अपनाया गया। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने वीसी के जरिए ही मामलों पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने लॉकडाउन के 56 दिनों में एक इतिहास भी बनाया। कोर्ट ने वर्चुअल माध्यम से 6000 से ज्यादा मामलों की सुनवाई की। दुनिया के किसी कोर्ट में इतने केस पर सुनवाई नहीं हुई।

तुर्की के वोल्कन बोजकिर होंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)। तुर्की के राजनयिक वोल्कन बोजकिर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया है। महासभा के मौजूदा अध्यक्ष तीजानी मुहम्मद-बांडे ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्री मुहम्मद-बांडे ने कहा कि तुर्की के राजनयिक श्री वोल्कन बोजकिर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के लिए अध्यक्ष चुना गया है। इस पद के लिए श्री वोल्कन एकमात्र उम्मीदवार थे। महासभा का 75वां सत्र इस 15 सितंबर से शुरू होगा।

40 हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका अगले चार वर्षों के दौरान प्रशांत महासागर क्षेत्र में हाइपरसोनिक मिसाइल के 40 परीक्षण करने की योजना बना रहा है। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसंधान और इंजीनियरिंग प्रखंड के निदेशक मार्क लुईस ने कहा कि अगले कुछ वर्षों के दौरान हमने हाइपरसोनिक मिसाइल के 40 से अधिक परीक्षण करने की योजना बनाई है। हम पानी के ऊपर विशेष रूप से प्रशांत महासागर क्षेत्र में लंबी दूरी की मिसाइल की मारक क्षमता का परीक्षण कर रहे हैं। वहां हमने एक्स-51 का परीक्षण किया है। इस प्रकार की हथियार प्रणाली के क्षेत्र में रूस और चीन बहुत आगे हैं, इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन की ओर से हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम पर ध्यान दिया जा रहा है।

कोरोना से बचाव के लिए जागरुकता अभियान

जयपुर, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव के लिए राजस्थान में 21 जून से 30 जून 2020 तक चलाए जाने वाले जागरुकता अभियान को ध्यान में रखते हुए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त श्री महेन्द्र सोनी ने बुधवार को सभी जिलों के प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इस अवसर पर आयुक्त श्री सोनी ने कहा कि मुख्यंत्री श्री अशोक गहलोत जी की मंशा के अनुरूप गांव-गांव, ढाणी-ढाणी, मोहल्ले-मोहल्ले तक कोरोना से बचाव के लिए जागरुकता पहुंचानी है। इसके लिए समाचार पत्र, टेलीविजन, एफएम रेडियो, होर्डिंग्स, डिजिटल वॉल पेंटिंग, सन बोर्ड, सन पैक, पोस्टर, बैनर आदि माध्यमों से प्रदेश की जनता को जागरुक किया जाएगा। उन्होंने जनसम्पर्क सेवा के सभी अधिकारियों को जन जागरुकता अभियान के बारे में विस्तार से बताया।

आपदा पर आंसू बहाना भारत की फितरत नहीं

कोरोना काल को भी बनाएंगे अवसरः पीएम मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत निजी क्षेत्र के लिए 41 कोयला खदानों की नीलामी की प्रक्रिया की शुरुआत की। अपने संबोधन में उन्होंने एक बार फिर कहा कि भारत की आपदा पर आंसू बहाने की फितरत नहीं है, हम इस संकट को अवसर में बदलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कोरोना से लड़ेगा और इससे आगे भी बढ़ेगा। इस संकट ने भारत को आत्मनिर्भर होने की सीख दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत आयात पर अपनी निर्भरता को कम करेगा। आत्मनिर्भर यानि भारत आयात खर्च पर होने वाली लाखों करोड़ों रुपए की विदेशी मुद्रा को बचाएगा। आत्मनिर्भर भारत यानी की भारत को आयात न करना पड़े। इसके लिए देश में ही साधन और संसाधन विकसित किए जाएंगे।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उठा रहा है बड़ा कदम

उन्होंने कहा कि आज ऊर्जा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। महीने भर के अंदर हर घोषणा, हर रिफॉर्मस, चाहे वो कृषि क्षेत्र में हो, चाहे सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योग क्षेत्र में हो या फिर अब कोयला और खनन के सेक्टर में हो, तेजी से जमीन पर उतर रहे हैं।

कोयला क्षेत्र को लॉकडाउन से भी निकाल रहे हैं बाहर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये दिखाता है कि भारत इस वैश्विक आपदा को अवसर में बदलने के लिए कितना गंभीर है। भारत की आपदा पर आंसू बहाने की फितरत नहीं है। आज हम केवल निजी क्षेत्रों के लिए कोयला खदानों की नीलामी की शुरुआत नहीं कर रहे हैं, बल्कि कोयला क्षेत्र को लॉकडाउन से भी बाहर निकाल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत खनन और खनिज क्षेत्र के बिना भारत का आत्मनिर्भर बनना संभव नहीं है, क्योंकि खनिज और खनन हमारी अर्थव्यवस्था के मजबूत खंभे हैं। देश में 16 जिले ऐसे हैं जहां कोयले के बड़े-बड़े भंडार हैं। इनका लाभ वहां के लोगों को उतना नहीं हुआ, जितना कि उन्हें होना चाहिए था।

बैनर पर कालिख पोतने के लिए जेसीबी पर चढ़े पप्पू यादव

लद्दाख में झड़प करने पर देश भर में चीन के खिलाफ गुस्सा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और चीन के बीच हुई हिंसक झड़प में सेना के 20 जवान शहीद हो गए हैं। इस घटना के बाद से देशवासियों में चीन के खिलाफ उबाल है। उन्होंने चीनी सामानों के बहिष्कार की मुहिम शुरू कर दी है। अब इस मुहिम में राजनेता भी उतर आए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने चीनी सामान का विरोध किया, वहीं पूर्व सांसद पप्पू यादव चीनी मोबाइल कंपनी के बैनर पर कालिख पोतने के लिए जेसीबी पर चढ़ गए।

पप्पू यादव ने चीनी मोबाइल निर्माताओं के बैनर पर पोती कालिख

बिहार में जन अधिकार पार्टी के प्रमुख और पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पटना में एक जेसीबी मशीन पर चढ़कर चीनी मोबाइल फोन निर्माता के बैनर पर कालिख पोत दी। मोबाइल के विज्ञापन के लिए लगाया गया पोस्टर काफी ऊंचा था। सड़क पर खड़ा होकर पोस्टर पर कालिख पोतना संभव न था। इसके बाद पप्पू यादव ने एक जेसीबी बुलाई और उस पर दो सहयोगियों के साथ सवार हुए और बैनर पर कालिख पोती।

राम माधव बोले- दूसरे देशों के निर्यात पर निर्भरता करेंगे कम

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने कहा कि हम रसायनों, मोबाइल फोन के पार्ट्स और बटन का आयात करते हैं। क्या उन्हें आयात करना इतना आवश्यक है? उनका निर्माण भारत में किया जा सकता है। हमें अन्य देशों से आयात को कम करना चाहिए, विशेष रूप से चीन से। अगर लोग चीनी उत्पादों का बहिष्कार करना चाहते हैं, तो हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं।

सीएआईटी ने बॉलीवुड-खेल बिरादरी से चीनी सामानों के बहिष्कार कि किया अनुरोध

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने बॉलीवुड और खेल बिरादरी से चीनी सामानों का बहिष्कार करने का अनुरोध किया है। सीएआईटी ने कहा कि हम बॉलीवुड और खेल बिरादरी से अनुरोध करते हैं कि वे देश हित में चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए संस्था के साथ हाथ मिलाएं। हम चीनी सामानों को एंडोर्स (समर्थन) करने वाली हस्तियों से आग्रह करते हैं कि वे ऐसा करना तुरंत बंद कर दें।

रामदास आठवले बोले- चीनी खाने पर लगे प्रतिबंध

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि चीनी भोजन बेचने वाले रेस्तरां पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। मैं लोगों से चीनी भोजन का बहिष्कार करने की अपील करता हूं।

श्रद्धांजलि

जम्मू में शिव सेना के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।

जगन्नाथ मंदिर की रथ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 23 जून को ओडिशा में होने वाली जगन्नाथ पुरी वार्षिक रथ यात्रा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि कोरोना वायरस के मद्देनजर इस रथ यात्रा पर रोक लगाई जा रही है। बता दें कि, रथ यात्रा की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थीं।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिकों की सुरक्षा के हित को ध्यान में रखते हुए इस साल पुरी में रथ यात्रा की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर हम इस साल रथ यात्रा आयोजित होने देते तो भगवान जगन्नाथ हमें माफ नहीं करते, क्योंकि महामारी के दौरान इतना बड़ा समागम आयोजित नहीं हो सकता। पीठ ने ओडिशा सरकार से कहा कि वह महामारी के

प्रसार से बचने के लिए राज्य में कहीं भी रथ यात्रा या धार्मिक जुलूस और इससे संबंधित गतिविधियों की अनुमति नहीं दे। शीर्ष अदालत ने ओडिशा स्थित एक गैर सरकारी संगठन की जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में 10 से 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा को इस साल रद्द करने या फिर इसे स्थगित करने का अनुरोध किया था। इस आयोजन में दुनिया भर के लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

सिख की पगड़ी उछालने पर विवाद, पांच पर एफआईआर

अमरोहा, (एजेंसी)। उप्र के अमरोहा में आपसी विवाद में एक सिख युवक ने दूसरे युवक पर पगड़ी उछालने का आरोप लगाया है। इसको लेकर सिख समुदाय ने रोष जताया। पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय विधायक ने भी पीड़ित सिख युवक के परिजन से मिलकर घटना की निंदा और कार्रवाई का भरोसा दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक इस मामले में गुरविंदर की तहरीर के आधार पर ग्राम प्रधान मनीराम सिंह, बिजेंद्र, रवि, हुकम सिंह और सोनी पांच के खिलाफ एफआईआर लिखी गई है। एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। जानकारी के मुताबिक रविवार को मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव चांदला फार्म के रहने वाले सिख युवक गुलशेर सिंह अपनी कार से शेरपुर गांव से गुजर रहा था। रास्ते में उनकी कार शेरपुर निवासी एक युवक की गाड़ी से टकरा गई। इसको लेकर कार सवार सिख युवक और शेरपुर के युवक में कहासुनी हो गई।

शेरपुर गांव के युवक का आरोप है की सिख युवक ने उसके ऊपर कृपाण से हमला कर दिया, जिसके बाद शेरपुर गांव के युवक के परिजन और अन्य लोग मौके पर एकत्र हो गए।पीड़ित युवक ने पुलिस को तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। समझौते की भी कोशिश की गई, लेकिन आरोप है कि इसी दौरान सिख युवक गुलशेर के भाई गुरविंदर सिंह को शेरपुर के लोगों ने पकड़ लिया उसे पीटा, पगड़ी सिर से उतारकर फेंक दी, बाल खींचे गए, बेइज्जती की गई, पैसे छीन लिए। इसकी जानकारी होने पर सोमवार को गजरौला और धनौरा के सिख समुदाय के लोग थाने पहुंचे।

तालिबान हमले में सात पुलिस अधिकारियों की मौत

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के उत्तरी बगलान प्रांत में सेना के एक ठिकाने पर तालिबान आतंकवादियों के हमले में कम से कम सात पुलिस अधिकारी मारे गए। टोलो न्यूज ब्राडकॉस्टर ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी।

जॉर्ज फ्लॉयड मौत : एम्सटरडम में गांधी की प्रतिमा पर लाल रंग पोता

एम्सटरडम, (एजेंसी)। अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद दुनियाभर में विवादित स्मारकों पर हमलों के बीच नीदरलैंड की राजधानी एम्सटरडम में अज्ञात बदमाशों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को भित्ति चित्रों और स्प्रे पेंटिंग से रंग दिया। डच अखबार मेट्रो के अनुसार एम्सटरडम में चर्चीलान पर गांधी की प्रतिमा को लाल रंग से ढक दिया और इसके नीचे 'नस्लवादी' टिप्पणी लिख दी। शहर के एक अधिकारी ने कहा कि जाहिर तौर पर हम किसी भी तरह की तोड़फोड़ के खिलाफ हैं और इन चीजों पर भद्दी पुताई पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा को साफ कराया जाएगा। अभी यह पता नहीं चला है कि इस घटना के पीछे कौन है। प्रतिमा की मरम्मत का काम करने वाली कुन्स्वाच के एक कर्मचारी ने कहा कि प्रतिमा को साफ करने के काम में घंटों लग सकते हैं।

मणिपुर में कांग्रेस के सात बागी विधायकों पर फैसला न लें स्पीकर

इम्फाल ■ एजेंसियां

मणिपुर हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वह पहले भाजपा में आ गए कांग्रेस के सात विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने वाले लंबित मामलों पर शुक्रवार तक कोई आदेश न दें। विधानसभा अध्यक्ष के न्यायाधिकरण ने गुरुवार को सात कांग्रेस बागियों से संबंधित मामले को सुना।

हाईकोर्ट ने आगे कहा कि इस आदेश की प्रतियां सभी पक्षों के वकीलों और मणिपुर विधान सभा के सचिव को व्हाट्सएप या ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएंगी। अदालत ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष और विधानसभा सचिव की ओर से उपस्थित वकील तरुणकुमार से अनुरोध किया जाता है कि वे आदेश के अनुपालन के लिए सचिव को सूचित करें। आपको बता दें कि मणिपुर से एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए 19 जून को मणिपुर विधानसभा परिसर में मतदान होने वाला है।

मणिपुर हाईकोर्ट ने निर्देश दिया, फैसला सुरक्षित रखा

विधानसभा अध्यक्ष को हटाने कांग्रेस ने नोटिस दिया: मणिपुर में भाजपा-नीत सत्तारुढ़ गठबंधन के नौ विधायकों के बागी होने के चलते मजबूत हुई विपक्षी कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष वाई. खेमचंद को हटाने के लिए गुरुवार को नोटिस दिया।

कांग्रेस ने राज्यपाल से की मुलाकात, विस का विशेष सत्र बुलाने की मांग

मणिपुर में सियासत गरमा गई है। भाजपा की गठबंधन सरकार के हाथ से सत्ता जाती नजर आ रही है. कांग्रेस पार्टी ने मणिपुर में सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता ओकराम इबोबी सिंह ने राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला से मुलाकात कर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है. विशेष सत्र को बुलाने की मांग इसलिए की गई है ताकि सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सके और अपनी सरकार बनाने के लिए बहुतम साबित किया जा सके। वहीं, एनपीपी सहित कांग्रेस के नेतृत्व में 12 विधायकों ने अनुच्छेद-179 (सी) के तहत विधानसभा अध्यक्ष को हटाने के लिए नोटिस भेजा है।

आज का इतिहास

- **1269:** फ्रांस के राजा लुई ने सभी यहूदियों को शर्म का बिल्ला पहनने का फरमान जारी किया।
- **1623 :** फ्रांसीसी गणितज्ञ, लेखक और दर्शनशास्त्री ब्लेज पास्कल का जन्म हुआ, जिन्होंने द्रव को समीकरणों में बांधकर विज्ञान को नया आयाम दिया।
- **1716 :** मुगलों के द्वारा बंदी बना लिये जाने के बाद बंदा सिंह बहादुर का प्रताड़ना गृह में निधन।
- **1843 :** 'दास कैपिटल' के लेखक और समाजशास्त्री काल मार्क्स ने विवाह किया।
- **1865 :** यूनियन जनरल ग्रैनर ने टेक्सास के सभी गुलामों को आजाद किया।
- **1910 :** पहली बार 'फादर्स डे' वाशिंगटन के स्पोकेन में मनाया गया।

मंजूरी

नेपाली संसद ने पास किया विवादित नक्शा

उच्च सदन में विधेयक के पक्ष में पड़े 57 वोट

काठमांडू , (एजेंसी)। नेपाल के उच्च सदन ने गुरुवार को सर्वसम्मति से एक राष्ट्रीय मानचित्र संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस नए नक्शे में नेपाल ने भारत के तीन क्षेत्रों को अपना बताया है। पिछले हफ्ते ही इस विधेयक को निचले सदन से मंजूरी मिल गई थी। तब भी सभी 258 सांसदों ने इसे अपना समर्थन दिया था। इससे नई दिल्ली और काठमांडू के रिश्तों तनाव बढ़ सकता है। बिल के समर्थन में 57 वोट, जबकि विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा।

नए नक्शे में नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंप्युधारा को अपना क्षेत्र बताया है। नेपाल के निचले सदन में मानचित्र के पारित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए नई दिल्ली ने कहा था, दावों का यह कृत्रिम इजाफा ऐतिहासिक तथ्य या सबूतों पर आधारित नहीं है और न ही इसका कोई मतलब है। सीमा मुद्दों पर बातचीत करने के लिए यह हमारी मौजूदा समझ का भी उल्लंघन है।

नेपाल और भारत के बीच कूटनीतिक विवाद बढ़ने की आशंका

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले महीने इस विवादित नक्शे को प्रकाशित किया था। उनका दावा है कि नेपाल बातचीत के जरिए भारत द्वारा अधिकृत की गई जमीन वापस ले लेगा। उनके इस कदम से नेपाल और भारत के बीच कूटनीतिक विवाद बढ़ने की आशंका है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ था, जब काठमांडू ने पिछले महीने नई दिल्ली द्वारा चीनी सीमा पर लिपुलेख तक 80 किमी की सड़क खोलने का विरोध किया। नेपाल लिपुलेख पर अपना दावा करता है, लेकिन भारत का कहना है कि सड़क पूरी तरह से उसके क्षेत्र में है। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने पिछले हफ्ते संसद को बताया कि लिपुलेख की नई सड़क देश की संप्रभुता को कमजोर करती है। नेपाल की सीमा काली नदी के उद्गम स्थल लिंप्युधारा से शुरू होती है। भारत के साथ नेपाल की सीमा का निर्धारण 1816 की सुगौली की संधि द्वारा हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत ने 1997 में कालापानी और सुस्ता में सीमाओं को अनसुलझा माना था।

विश्व में 84 लाख से पार पहुंचे कोरोना संक्रमित

बीजिंग/जिनेवा/नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित लोगों की संख्या 84 लाख से पार हो गई है और इस वायरस से अब तक 4.51 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

4.51 लाख से अधिक की मौत

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 84,67,293 लोग संक्रमित हुए हैं और 4,51,958 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। भारत में अब तक कुल संक्रमितों की संख्या 3,68,705 हो गई है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 12,280 हो गई है। विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 22,34,086 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,19,943 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

खेल मंत्री राणा सोढी ने नव-नियुक्त जिला खेल अफसरों को नियुक्ति पत्र सौंपे

खेलों में पंजाब की पुरानी शान बहाल करने के लिए समर्पण भावना से काम करने के लिए किया प्रेरित

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के खेल और युवा सेवाओं और एन.आर.आईज़. मामलों संबंधी मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने नये भर्ती हुए 6 जिला खेल अफसरों को आज यहाँ नियुक्ति पत्र सौंपे।

यहाँ अपनी रिहायश में करवाए गए संक्षिप्त प्रोग्राम के दौरान राणा सोढी ने पंजाब पब्लिक सर्विस कमीशन (पी.पी.एस.सी.) के द्वारा चुन कर आए इन नव नियुक्त उम्मीदवारों को तनदेही और ईमानदारी से अपनी ज़िम्मेदारी निभाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वह समर्पण भावना के साथ काम करके जहाँ खुद तरक्की की बुलन्दियां छू सकते हैं, वहीं नौजवानों को सही सीख देकर खेल में पंजाब की पुरानी शान बहाल कर सकते हैं।

राणा सोढी ने कहा कि खेल के ज़रिये वह पंजाब की जवानी को नशों से बचाव कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी सही ढंग से निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन खेल अफसरों की महारत का लाभ लेकर पंजाब में खेल सभ्याचार को और प्रफुलित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने नव नियुक्त खेल अफसरों को विभाग में शामिल होने पर मुबारकबाद दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। आज नियुक्ति पत्र हासिल करने वालों में रुपेश कुमार, परविन्दर सिंह, रणबीर सिंह भंगू, सुखचैन सिंह, शासवत राज़दान और गुरदीप कौर शामिल हैं। इस मौके पर खेल और युवा सेवाओं विभाग के सचिव श्री हुसन लाल, डायरैक्टर डी.पी.एस. खरबन्दा और डिप्टी डायरैक्टर करतार सिंह उपस्थित थे।

गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प के दौरान शहीद हुए पंजाब के फौजी जवानों का सरकारी सम्मानों के साथ संस्कार

चंडीगढ़/ब्यूरो

गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प के दौरान शहीद हुए पंजाब के 2 फौजी जवानों का सरकारी सम्मान के साथ आज संस्कार कर दिया गया।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि लद्दाख़ की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प में शहीद हुए 4 फौजी जवानों में से आज सिर्फ 2 फौजी जवानों, जो कि पटियाला और गुरदासपुर जिले से संबंधित थे, के पार्थिव शरीर उनके घरों में पहुँचे थे। प्रवक्ता ने बताया कि आज पटियाला ज़िले के गाँव सील में गमगीन माहौल के दौरान भारतीय फ़ौज की तरफ से शहीद नायब सूबेदार मनदीप सिंह के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार पूरे धार्मिक रिवाजों के मुताबिक फ़ौजी और सरकारी सम्मानों के साथ किया गया। भारतीय फौज के शहीद नायब सूबेदार मनदीप सिंह की चिता को अग्नि उनके 11 वर्षीय पुत्र जोबनप्रीत सिंह ने दी।

शहीद अपने बजुर्ग माता-पिता श्रीमती शकुंतला कौर, धर्म पत्नी श्रीमती गुरदीप कौर, पुत्र जोबनप्रीत सिंह और बेटी महकप्रीत कौर, तीन बहनों समेत अन्य पारिवारिक सदस्यों को शाश्वत बिछोड़ा दे गए थे।

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की तरफ से कैबिनेट मंत्री स. साधु सिंह धर्मसरोत ने शहीद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धा के फूल भेंट किये। लोक सभा मैंबर पटियाला श्रीमती परनीत कौर की तरफ़ से मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. श्री राज कुमार और श्री बलविन्दर सिंह ने फूल अर्पण किये। शहीद नायब सूबेदार मनदीप सिंह के अंतिम ससकार के मौके पर भारतीय फ़ौज के बिगलर ने मातमी धुन बजाई और जवानों ने हथियार उल्टे करके गार्ड ऑफ ऑनर देते हुये फायर करके शहीद को सलामी दी। प्रवक्ता ने बताया कि इस तरह लद्दाख़ की गलवान घाटी में ही चीनी सेना के साथ हुए टकराव में शहादत का पाने वाले नायब सूबेदार सतनाम सिंह (42) का उनके जद्दी गाँव भोजराज (विधान सभा हलका डेरा बाबा नानक) गुरदासपुर में सरकारी सम्मानों के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पंजाब की तरफ़ से कैबिनेट मंत्री स. सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने शहीद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धा के फूल भेंट किये गए। इस मौके पर डिप्टी कमिशनर गुरदासपुर जनाब मुहम्मद इश्फाक, रजिन्दर सिंह सोहल एस.एस.पी गुरदासपुर मौजूद थे।

सतनाम सिंह के अंतिम संस्कार के मौके पर भारतीय फ़ौज के बिगलर ने शोक धुन बजाई और जवानों ने हथियार उल्टे करके गार्ड ऑफ ऑनर देते हुये फायर करके शहीद को सलामी दी।

पंजाब सरकार प्राईवेट अस्पतालों में कोविड के इलाज सम्बन्धी खर्चे को निर्धारित करेगी- बलबीर सिंह सिद्धू

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से जल्द ही प्राईवेट अस्पतालों में कोविड के इलाज के खर्चे निर्धारित किये जाएंगे। उन्होंने प्राईवेट अस्पताल के प्रबंधकों को संकट की इस घड़ी में कोविड -19 के मरीज़ों के इलाज के लिए तर्कसंगत और वाजिब खर्च किए तय करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कोविड संकट के कारण पैदा हुए इन अनिर्धारित हालत में प्राईवेट अस्पताल के प्रबंधकों और प्रमोटरों समेत हरेक की समाज के प्रति ज़िम्मेदारी बनती है। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की कि प्राईवेट अस्पताल समय की नज़ाकत को समझते हुये कोविड -19 के मरीज़ों से हद से अधिक पैसे नहीं वसूलेंगे जिसकी बड़े स्तर पर रिपोर्टें सामने आईं हैं। स. सिद्धू ने श्री गुरु रामदास चैरिटेबल अस्पताल ट्रस्ट, अमृतसर की तरफ से एक ताज़ा ऐलान का हवाला दिया जिसमें इस अस्पताल की तरफ से कोविड के इलाज के लिए ए.सी. कमरों को साझा करने के लिए सात दिनों के पैकेज के लिए 50,000 रुपए की दर निर्धारित की गई है, जबकि नॉन -इसी कमरों के लिए सात दिनों के लिए यह दर 35,000 रुपए है और ज़रूरत पड़ने पर वेंटिलेटर खर्च सिर्फ 6000 रुपए प्रति दिन है। मंत्री ने बिना किसी प्राईवेट अस्पताल का नाम लिए कहा कि इसके मुकाबले कुछ प्राईवेट अस्पताल मरीज़ों से प्रति दिन 30,000 से 50,000 रुपए चार्ज कर रहे हैं जो स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर एक अस्पताल एक हफ़्ते के लिए 50,000 रुपए में इलाज प्रदान कर सकता है तो दूसरा अस्पताल एक दिन के 30,000 रुपए कैसे वसूल सकता है? यह उम्मीद करते हुये कि प्राईवेट अस्पताल समय की नज़ाकत को समझते हुये मरीजों से वाजिब पैसे वसूलेंगे और सरकार को सहयोग देंगे, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इलाज के खर्चे तय करने संबंधी अंतिम फ़ैसला एक या दो दिनों के अंदर लिया जायेगा।

उन्होंने दोहराया कि सरकार का प्राईवेट अस्पतालों को नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं है, परन्तु इसके साथ ही सरकार बेबस और मजबूर मरीज़ों की अंधाधुन्ध लूट की इजाज़त नहीं दे सकती।

जिलाधीश ने लोगों को कोविड -19 महामारी से मुकाबला करने के लिए मिशन फतेह के योद्धा बनने का दिया न्योता

कोवा एप डाऊनडोल करके मैडीकल प्रोटोकॉल के रोज़मर्रा की पुआइंट कमाओ

जालंधर/नीरज

डिप्टी कमिशनर जालंधर श्री घनश्याम थोरी ने लोगों को न्योता दिया कि कोविड -19 महामारी खिलाफ जंग जीतने के लिए मिशन फतेह के योद्धा बनने और लोगों में इस महामारी से बचाव के लिए मैडीकल प्रोटोकॉल जिस में सामाजिक दूरी की पालना, मास्क डालना और हाथ धोना शामिल है सम्बन्धित अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने के लिए कहा इस सम्बन्धित और ज्यादा जानकारी देते हुए श्री थोरी ने बताया कि मिशन फतेह के योद्धा बनते हर नागरिक को अपने मोबाइल फोन पर कौवा एप डाउनलोड करके मिशन फतेह लिंक को दबाना चाहिए जिस के बाद कौवा एप पर रजिस्ट्रेशन हो जाती है। उन्होंने बताया कि अगर आपने एप डाउनलोड की है, तो मुकाबलो के लिए भी अंक प्राप्त किये जा सकते हैं।

डिप्टी कमिशनर ने बताया कि जो इस एप पर रजिस्टर्ड होंगे वह रोज़ाना की इस्तेमाल की जाने वाली सावधानियां जिस में मास्क पहनना, हाथ धोना और सामाजिक दूरी की पालना करना शामिल है सम्बन्धित प्वाईट इकठ्ठा करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लगातार रोज़ाना की चार हफ्तों के लिए पूरी लगन के साथ नियमों की पालना करेंगे वह काँसा सर्टिफिकेट और टी - शर्ट हासिल करने के योग्य होंगे।

उन्होंने बताया कि जो लोग हफ्ते और महीना भर मैडीकल प्रोटोकॉल जैसे कि मास्क डालना और सामाजिक दूरी की पालना करना आदि करेंगे वह टी -शर्ट के साथ चाँदी और सोने के सर्टिफिकेट भी हासिल कर सकेंगे। श्री थोरी ने बताया कि सभी सरटीफिकेटों पर मुख्यमंत्री पंजाब के हस्ताक्षर होंगे। उन्होंने कहा कि मिशन फतेह अहम प्रोगराम मुख्यमंत्री पंजाब की तरफ से नोवल कोरोना वायरस पर अनुशासन, सहयोग और दया के द्वारा दृढ़ता के साथ फतेह हासिल करने के संकल्प के तौर पर उभरेगा। उन्होंने कहा कि इस के द्वारा मुख्यमंत्री पंजाब द्वारा सुरक्षा मापदण्डों को अपनाने, लाकडाऊन दौरान लगाई गई पाबंदियों की पालना के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग और गरीबों प्रति हमदर्दी रखने पर ज़ोर दिया गया है। मिशन फतेह हर मुश्किल घड़ी को जीत में बदलने के लिए पंजाबियों की चढ़दी कला का प्रतीक है।

गुरुवार को भोपाल स्थित विधानसभा परिसर में राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिस के जवान। राज्यसभा की तीन सीटों के लिए शुक्रवार, 19 जून को यहां मतदान होगा।

भारत शांति का पक्षधर, पर छेड़छाड़ ठीक नहीं : जावडेकर

मध्यप्रदेश में कोविड नियंत्रण के प्रयास सराहनीय

भोपाल, (एजेंसी)। भारत हमेशा से शांति का पक्षधर है और शांति चाहता है पर अनावश्यक छेड़छाड़ किए जाने को ठीक नहीं समझता है। देश एकजुट है और सैनिकों के साथ है। रीवा मध्य प्रदेश के एक सपूत ने भी चीन से हुए हालिया संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया है। हम सभी शहीद सैन्य अधिकारियों और सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

यह बात केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, तथा भारी उद्योग मंत्री प्रकाश जावडेकर ने गुरुवार को अपनी भोपाल यात्रा के दौरान कही। श्री जावडेकर ने कहा कि चीन ने जो किया है उसके बारे में प्रधानमंत्री ने बहुत साफ शब्दों में देश का इरादा स्पष्ट कर दिया है। भारत ने इस घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया है। श्री जावडेकर ने कहा कि ऐसे कठिन समय में राजनीतिक टिप्पणियों और राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर देशहित में सोचने और करने की आवश्यकता है। कोविड संकट के बारे में श्री जावडेकर ने कहा कि कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए देश भर में हो रहे प्रयासों के बारे में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से चर्चा की है। सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है। यह बात कुछ राहत भरी है कि देश में एक्टिव मरीजों से ज्यादा संख्या स्वस्थ होने वाले लोगों की है। भारत में कोरोना मृत्यु दर अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। श्री जावडेकर ने जनता से हमेशा मास्क का इस्तेमाल करने, दूरी का ख्याल रखने, हाथों को साबुन से धोने, सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने को फिलहाल आदत बना लेने की अपील भी की।

श्री जावडेकर ने कोविड संकट से जूझने में मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मप्र के मुख्यमंत्री और उनकी टीम अभिनंदन के पात्र हैं। इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न कोरोना संक्रमित शहरों और गांवों की स्थिति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समुचित रूप से संभाली गई। श्री जावडेकर ने कहा कि महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना से उत्तर प्रदेश व बिहार जा रहे लगभग 7.5 लाख प्रवासी मजदूरों को बसों द्वारा उनके राज्य की सीमा तक पहुंचाने में मप्र सरकार ने प्रशंसनीय कार्य किया। सबसे अच्छी बात यह कि मप्र सरकार ने सहायता के समय मानवीय पक्षों का पूरा ख्याल रखा। मप्र सरकार ने संकट के इस समय में लगभग 25 लाख मजदूरों को मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराया है और यह क्रम अब और भी रफ्तार पकड़ रहा है। मध्य प्रदेश में इस वर्ष हुई रिकॉर्ड गेहूं खरीदी की भी श्री जावडेकर ने प्रशंसा की।

फेक न्यूज की सच्चाई जानने पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट का गठन

मीडिया के विभिन्न माध्यमों में फेक न्यूज के चलन पर टिप्पणी करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि यह कतई स्वीकार्य नहीं है। सही जानकारी मिलना लोगों का हक है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने फेक न्यूज की सच्चाई उजागर करने के लिए पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट का गठन किया है। राज्यो में भी पीआईबी फैक्टचेक यूनिट का गठन किया जा रहा है ताकि आम जनता तक सही जानकारी पहुंचती रहे।

विधानसभा के सेंट्रल हाल में आज होगा मतदान

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए रिक्त हुए तीन स्थानों की पूर्ति के लिए शुक्रवार,19 जून को विधानसभा भवन,भोपाल स्थित सेंट्रल हॉल में मतदान होगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं राज्यसभा निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर एपी सिंह के निर्देश अनुसार मतदान से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। मतदान प्रक्रिया से संबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा गुरुवार को मॉकपोल भी किया गया।

मतदान के दौरान कोरोना संक्रमण से निर्वाचकों एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबद्ध अमले के बचाव के मद्देनजर समुचित एहतियात एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं । राज्यसभा चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक टीआर मीना मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं अपर मुख्य सचिवए केरल द्वारा राज्यसभा मतदान के लिए की गई तैयारियों का अवलोकन भी कर लिया गया है। विधानसभा के वर्तमान में निर्वाचित 206 सदस्य शुक्रवार सुबह 9:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक मतदान करेंगे और तत्पश्चात शाम 5:00 बजे से मतगणना होगी ।

राज्यसभा चुनाव की सभी तैयारियां पूरी

पोस्टल मतपत्र की भी सुविधा

कोविड.19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्यसभा के लिए ऐसे निर्वाचक सदस्य जो कोविड.19 के संक्रमण से ग्रसित हैं तथा राज्य के अस्पताल में भर्ती हैं तथा चिकित्सक यह सुनिश्चित करें कि संबंधित मतदाता बीमारी के कारण मतदान स्थल पर मतदान करने की स्थिति में नहीं हैए तो उन्हें आवेदन करने पर पोस्टल मतपत्र की सुविधा दी जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन, 2020 के अंतर्गत रिक्त तीन सीटों के लिए भाजपा के ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सुमेर सिंह सोलंकी तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस के दिग्विजय सिंह एवं फूलसिंह बरैया उम्मीदवार हैं ।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

देश में कोरोना संक्रमण के एक दिन में 12,881 नए मामले

पिछले 24 घंटों में 334 लोगों की हुई मौत

सात हजार से ज्यादा लोग स्वस्थ होकर लौटे घर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में गत 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड 19) से संक्रमण के 12 हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं, जबकि मृतकों की संख्या पिछले दिन की तुलना में काफी कम रही और सात हजार से अधिक लोग स्वस्थ हुए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस के संक्रमण के 12,881 नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,66,946 हो गई है। पिछले 24 घंटों में 334 लोगों की मौत हुई , जबकि इससे पहले दिन मृतकों का आंकड़ा 2003 रहा। इस बीमारी से मरने वालों की संख्या अब 12,237 हो गयी है। देश में इस समय कोरोना के 1,60,384 सक्रिय मामले हैं तथा 7390 और लोगों के स्वस्थ होने के साथ रोगमुक्त होने वालों की संख्या बढ़कर 1,94,325 हो गई है।

कोरोना की महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण के 3307 मामले दर्ज किए गए और 114 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,16,752 और मृतकों की संख्या बढ़कर 5,651 हो गयी है। इस दौरान राज्य में 1315 रोगमुक्त हुए हैं जिसके बाद स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 59,166 हो गयी है।

प्रदेश की 15 पंचायतों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल, (एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा पंचायतों के राष्ट्रीय अवार्ड घोषित किए गए हैं। मध्यप्रदेश की 15 पंचायतों को यह अवार्ड मिला है। दो जिला पंचायत नीमच, मंदसौर और दो जनपद पंचायत आलोट एवं होशंगाबाद सहित प्रदेश की 11 ग्राम पंचायतों को पुरस्कार मिला है। पंचायतों द्वारा सेवाओं के बेहतर प्रदाय पर दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार दिया गया है।

पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पुरस्कारों में जिला पंचायत को प्रमाण-पत्र सहित 50 लाख रुपए, जनपद पंचायत को प्रमाण-पत्र सहित 25 लाख रुपएऔर ग्राम पंचायतों को उनकी जनसंख्या के अनुसार प्रमाण-पत्र के साथ पांच लाख से 15 लाख तक के पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। प्रदेश की 11 ग्राम पंचायतों को राजस्व आय में बढोत्तरी, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किये गये कार्यों के लिये पुरस्कृत किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रौशन करने वाली ग्राम पंचायतों में नीमच जिले की ग्राम पंचायत भरवड़िया, सागर जिले की दो ग्राम पंचायत मरामाधौ एवं तुमरी, इंदौर जिले की ग्राम पंचायत पोटलोद, होशंगाबाद जिले की ग्राम पंचायत बाबईखुर्द, धार जिले की ग्राम पंचायत सुंदरेल, सीधी जिले की ग्राम पंचायत पनवार चौहानन, मंदसौर जिले की ग्राम पंचायत पाड़लिया मारू, रतलाम जिले की ग्राम पंचायत कंसर, सीहोर जिले की ग्राम पंचायत मृगली और रतलाम जिले की ग्राम पंचायत बरखेड़ी शामिल हैं। मध्यप्रदेश की पंचायतों को मिले ये पुरस्कार पंचायतों के बेहतर कामकाज के परिणाम हैं।

आकाशीय बिजली से तीन लोगों की मौत

जौनपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के पंवारा व शाहगंज इलाके में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से भाई,बहन समेत तीन की मृत्यु हो गई। पुलिस के गुरुवार को यहां बताया कि जिले में पंवारा थाना क्षेत्र के बामी गांव में बुधवार को बदले मौसम से झमाझम बारिश हो रही थी, इस दौरान एक आम के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी। आठ वर्षीय उज्जवल पाल और पांच वर्षीय दीक्षा पाल पेड़ के नीचे बैठे हुए थे जिससे दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसी तरह जिले के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के अरगूपुर खुर्द गांव निवासी मंजू बुधवार की शाम बारिश के दौरान घर पर स्थित एक रिहायशी छप्पर में बैठी थी अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।

ढाई लाख रुपए लूटकर बदमाश फरार

धौलपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में धौलपुर जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में बुधवार रात बदमाश एक व्यक्ति से ढाई लाख रुपए लूटकर फरार हो गये। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मरहोली गांव का राम दिनेश शर्मा ढाई लाख रुपए से भरा थैला लेकर मोटर साइकिल से घर लौट रहा था कि गैस संयंत्र के पास बदमाशों ने उसे रोक लिया और थैला लूटकर फरार हो गये। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.